भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3141

दिनांक 06 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

.....

भूजल पुनर्भरण के लिए नए तालाबों का निर्माण

3141. डॉ. आनन्द कुमार गोंडः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार अटल भूजल योजना के अंतर्गत केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा 'अतिदोहित' अथवा 'गंभीर' श्रेणी में चिन्हित जिलों/खंडों के लिए कोई नई अथवा संशोधित कार्य-योजना तैयार करने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का विचार वर्ष 2026-27 के बजट में घोषित पाँच सौ नए तालाबों के निर्माण के माध्यम से भूजल पुनर्भरण हेतु ऐसे गंभीर जल संकट वाले क्षेत्रों को प्राथमिकता देने का है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उत्तर प्रदेश में, विशेषकर बहराइच लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के गंभीर जल संकट वाले क्षेत्रों में कितने नए तालाब प्रस्तावित/स्वीकृत किए गए हैं; और

(घ) इस संबंध में क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है तथा इसके लिए क्या वित्तीय प्रावधान किए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री
(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): अटल भूजल योजना सामुदायिक नेतृत्व वाली एक सहभागी भूजल प्रबंधन योजना है। इस योजना का कार्यान्वयन दिनांक 01.04.2020 से 15.10.2025 की अवधि के दौरान सात राज्यों, अर्थात् गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 80 जिलों के 229 ब्लॉकों की जल की कमी वाले 8,203 ग्राम पंचायतों में प्रायोगिक आधार पर किया गया था।

अटल भूजल योजना एक निश्चित अवधि और परिव्यय के साथ तैयार किया गया एक प्रायोगिक कार्यक्रम था, जिसने समुदाय-केंद्रित भूजल प्रबंधन की प्रभावकारिता का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन किया है और एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है जिसे अन्य राज्यों द्वारा कार्यान्वयन के लिए अपनाया जा सकता है। इस प्रायोगिक कार्यक्रम के निष्कर्षों को अन्य राज्यों के साथ साझा किया गया है ताकि उन राज्यों में इसको कार्यान्वित किया जा सके।

(ख) से (घ): भारत सरकार द्वारा केंद्रीय बजट 2026-27 में उत्तर प्रदेश सहित देश में 500 जलाशयों और अमृत सरोवरों का एकीकृत विकास कर मत्स्य पालन और जलकृषि के विकास की घोषणा की गई है। यह पहल जलाशयों और अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन क्षमता का विकास करने के सरकार के उद्देश्य को सुदृढ़ करती है, जिससे मछुआरों की आजीविका को मजबूती मिलेगी और जलाशयों और अमृत सरोवरों में मत्स्य पालन के विकास में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), मत्स्यिकी सहकारी समितियों और मत्स्य पालक उत्पादक संगठनों (एफएफपीओ) की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) द्वारा किए गए भूजल संसाधन आकलन से संकेत मिलता है कि जलाशयों और तालाबों से सतही और भूजल उपलब्धता में वृद्धि हुई है।

भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग द्वारा राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से, देश भर में इस योजना के कार्यान्वयन के लिए 351 जलाशयों और 100 अमृत सरोवरों का चयन किया गया है।

मत्स्य पालन विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के परामर्श से उत्तर प्रदेश में 19 जलाशयों और 12 अमृत सरोवरों का चयन किया गया है, जिसका विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

*****

अनुलग्नक

"भूजल पुनर्भरण के लिए नए तालाबों का निर्माण" के संबंध में दिनांक 06.08.2026 को लोकसभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 3141 के भाग (ख) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

1 उत्तर प्रदेश राज्य में चयनित 19 जलाशयों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम संख्या	जलाशयों के नाम	जिला
1	रिहंद	सोनभद्र
2	मूसाखंड	चंदौली
3	नौघर	चंदौली
4	रंगवान	बांदा
5	बरियारपुर	बांदा
6	बरुआ	चित्रकूट
7	पहाड़ी	झांसी
8	बदवार	झांसी
9	पाहुज	झांसी
10	माता टीला	ललितपुर
11	लतीफशाह	चंदौली
12	कमला सागर	झांसी
13	चंद्रावल	महोबा
14	उर्मिल	महोबा
15	जिरगो	मिर्जापुर
16	गुंटा	चित्रकूट
17	शाहजहां	ललितपुर
18	अर्जुन	महोबा
19	ओबरा	सोनभद्र

2 उत्तर प्रदेश राज्य में चयनित 12 अमृत सरोवरों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम संख्या.	अमृत सरोवरों का नाम	जिला
1	कथिराव, पिंडरा	वाराणसी
2	बरौथा, कोइल	अलीगढ़
3	बासोब, कोंच	जालौन
4	बल्लसाई खेड़ा, हैदरगढ़	बाराबंकी
5	अचरू लाधौरा, महावन	मथुरा
6	भिलौरा, सदर	गोरखपुर
7	मंडोला, लोनी	गाजियाबाद
8	कौल, सदर	मेरठ
9	भुसौला, बंसी	सिद्धार्थनगर
10	लोई , बुढ़ाना	मुजफ्फरनगर
11	उँछ , फतेहबाद	आगरा
12	एकदला, खागा	फतेहपुर

*****